

Cf Rs. 20/-

न्यायालय राजस्व मंडल ग्रामियर, कैम्प सागर म.पु.
के अंतर्गत/दमोह/झ.रा/2018/1530

गंगाराम कुमी मृत द्वारा वारसानगण-

1. प्रेमरानी कुमी उम्र 70 वर्ष बैवा गंगाराम कुमी
2. श्यामलाल कुमी उम्र 42 वर्ष पुत्र स्व. 0 गंगाराम कुमी
दोनों निवासी ग्राम सतपारा तह 0 पथरिया जिला दमोह म.पु.

... निगरानीकतांगण

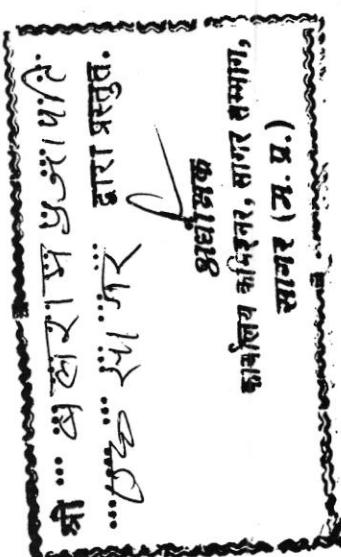
11 विरुद्ध।।

1. श्रीमति पूनम पर्ति संजय घोरहा
निवासी - वार्ड नं. 4 पथरिया तह 0 पथरिया जिला दमोह म.पु.
2. म.पु. शीतन
द्वारा कलेक्टर दमोह म.पु. .. अनावैदकगण

निगरानी अंतर्गतधारा 50 म.पु. भू. रा. संहिता

निगरानी कर्ता ने यहाँनिगरानी मानसीयअपर आयुष्टत सागर संभाग सागर के अपील प्र०क० 22/अ-5 वर्ष 2012-13 मैं अपील निरस्ती आदेश दिनांक 02.01.2018 से परिवैदित होकर मूल अपीलाथी गंगाराम कुमी के मृत हो जाने से वारसान हक्क के आधार पर नकल प्राप्ति मैं लगे समय को छोड़कर सम्बन्धित के भीतर मानसीय न्यायालय के समझ पेश की है :-

प्रकरण के तथ्य इसप्रकार है कि निगरानीकर्ता के पर्ति/पिता गंगाराम कुमी के नाम से मौजा सतपारा प.ह. नं. 4 तह 0 पथरिया जिला दमोह मैं छ. नं. 1895/। रकवा 1.058ह० भूमि स्थित है जोकि निगरानी कर्ता की बैनामा दिनांक 1964 के द्वारा उरीदशुदा भूमि है, गंगाराम की उष्टत भूमि मैं से 0.68ह० भूमि तहसीलदार पथरिया द्वारा राजस्वप्र०क० 16/अ-5 वर्ष 2010-11 के मौजा नेगुवां के बहतसींग पिता उमरावसींग का रकवा दुरुस्ती आदेश दिनांक 27.05.।। से सम्बन्धित पा के आदेश से कम कर दी गई थी, अपीलाथी को उष्टत तथ्य की पुथमबार जानकारी



24
कृष्णम्

(3)

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - गवालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - एक/निगरानी/दमोह/भू.रा./2018/1530

जिला - दमोह

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	
06/03/2018	<p>प्रकरण का अवलोकन किया एवं आवेदक अधिवक्ता द्वारा दिए गए तर्कों पर विचार किया। प्रकरण के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि आवेदक द्वारा तहसीलदार के आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष अपील विलंब से पेश की गई। विलंब के संबंध में आवेदक द्वारा कोई ठोस एवं समाधानकारक कारण अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। जबकि विलंब के संबंध में दिन-प्रतिदिन के विलंब का स्पष्ट कारण दिया जाना अनिवार्य होता है। उक्त आधार पर अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अपील अवधि वाह्य होने से निरस्त की गई, जिसकी पुष्टि अपर आयुक्त ने अपने आदेश में करते हुए अपील निरस्त की है। उक्त तथ्यों के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय के आदेश में प्रथम वृष्टया कोई वैधानिक त्रुटि प्रतीत नहीं होती है।</p> <p>दर्शित परिस्थिति में यह निगरानी ग्राह्य योग्य न होने से अग्राह्य की जाती है।</p> <p style="text-align: right;">~ प्रशासकीय सदस्य</p> 